SERIES-01

DHYEYA LAW®
An enterprise of Dhyeya IAS

HARYANA CIVIL SERVICE JUDICIAL EXAMINATION-2021

Paper-V

Hindi Language

TIME: 3 HRS. ***MAX. MARKS: 100***

Notes:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों का उत्तर क्रम में दें जिस क्रम में प्रश्न-पत्र में दिए गए हैं।

Corporate Office : A-20, Ist Floor, Indraprastha Tower, Behind Batra Cinema, Mukherjee Nagar, Delhi-09
+ 91 9891989143, 9891989195 | info@vrankersjudiciary.com, hr@vrankersjudiciary.com

1. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– **(20 Marks)**

In everybody life besides one's duties the presence of leisure is most needed. Leisure during holidays are to be enjoyed very foundly. Routine work brings boredome Holidays gives a relief. It must be enjoyed fully. Some people like to take full rest and loose the pleasure that a holiday can provide them Something usefull should be done to get full pleasure out of a holiday Outing and picnics are the best means to enjoy holidays. If it is long creation one can go on tours to place outside one's own city. These visits give us joy and new life. They make us forget our routine part. One should not try to go out of station, when one has a single holiday as this will bring tiredness. In a single holiday one can engage one self in different kind of hobbies like gardening or photography. Idealness makes the mind rusty level is like devils workshop. One should never lose the golden opportunity of enjoying life. And his opportunity is provided by the holidays. In men's life, holiday are must and they have great significance.

2. (अ) निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या सरल हिन्दी भाषा में कीजिए– **(15 Marks)**

मनुष्य विवेकशील प्राणी होने के कारण सृष्टि के अन्य प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है। केवल मनुष्य में ही चिंतनशीलता बौद्धिक क्षमता तथा आत्मविश्वास जैसे गुण है। वह अपनी कर्मशीलता, परिश्रम एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर असंभव को भी संभव करने की क्षमता रखता है। जब व्यक्ति विषम परिस्थितियों में भी अपना धैर्य खोए बिना, अपनी दृढ़ता को बनाये रखता है, तो विपत्तियां एवं बाधाएं उसके सामने घुटने टेक देती हैं, पर यदि वह अफलताओं एवं बाधाओं से हताश एवं निराश होकर उत्साहहीन हो जाता है, तो उसका पतन सुनिश्चित है। गुप्ताजी ने कहा है– ''नर हो न निराश करो मन को, कुछ काम करो, कुछ काम करो, कुछ काम करो जग में रहकर कुछ नाम करो, समझो न अलभ्य किसी धन की।'' जीवन में कभी–कभी असफलताएँ भी आती है, कभी–कभी विपत्तियाँ हमारा मार्ग रोकने का प्रयास करती है, ऐसी परिस्थितियों में आत्मविश्वास और पुरूषार्थ बनाए रखना चाहिए। यदि मनुष्य अफलताओं में हारकर, निराश होकर बैठ जाता, तो आज भी पाषाणयुग में ही विचर रहा होता। नेपोलियन ने ठीक ही कहा था–'असंभव' शब्द मूर्खो के शब्दाकोश में मिलता है। अतः मनुष्य को ध्यान रखना चाहिए कि निराश मन वाला व्यक्ति अनेक प्रकार से साधन संपन्न होते हुए भी सफल नहीं होता।

(ब) मंदिर मस्जिद गिरजाघर ने **(15 Marks)**
बाँट लिया भगवान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इन्सान को

अभी राह तो शुद्ध हुई है
मंजिल बैठी दूर है
उजियाला महलों में बंदी
हर दीपक मजबूर है।

मिला न सूरज का संदेशा
हर घाटी मैदान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इन्सानों को।

अब भी हरी–भरी धरती है
ऊपर नील वितान है।
पर न प्यार हो तो जग सूना
जलता रेगिस्तान है।

3. (अ) निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए: **(5 Marks)**

(क) अन्तरगत

(ख) आकसमिक

(ग) प्रारमभिक

(घ) कल्पनिक

(ड़) चक्करवात

(ब) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: **(5 Marks)**

(क) अध्यापक आपको बुलाया है।

(ख) यह लेख किसने लिख है।

(ग) एक कविताओं की पुस्तक ला दीजिए।

(घ) तुमने जीत हासिल की वाह!

(ड़) कक्षा में बीस विधार्थी है लगभग।

4. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए- **(10 Marks)**

(क) अंधेरे घर का उजाला।

(ख) तंद्रा भंग होना।

(ग) लगती बातें कहना।

(घ) अन्न जल उठ जाना।

(ड़) घड़ी में तोला घड़ी में माशा।

(च) एक ही थाली के चट्टे-बट्टे।

(छ) आटे-दाल का भाव मालूम होना।

(ज) अल्ला मियाँ की गाय।

(झ) पराई आग में कूदना।

(ण) दम मारने की भी फुरसत नहीं।

5. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए: **(30 Marks)**

(क) विज्ञापन के बढ़ते प्रचलन के लाभ-हानियाँ

(ख) छात्रसंघ की प्रासंगिकता।

(ग) बेरोजगारी : समस्या और समाधान

(घ) वन और हमारा पर्यावरण

(ड़) आधुनिक समाज में नारी का स्थान।

❑❑❑❑❑